‘अंगदान-महादान’संदेश लिखी पतंगों का विमोचन

चर्चा में क्यों?

13 जनवरी, 2022 को राजस्थान के परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग आयुक्त महेंद्र सोनी ने ‘अंगदान-महादान’संदेश लिखी पतंगों का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- अंगदान जागरूकता का संदेश देती ये पतंगें मोहन फाउंडेशन, जयपुर सिटीजन फोरम द्वारा तैयार की गई हैं। ये पतंगें मकर संक्रांति पर्व पर आसमां में चढ़ने के साथ-साथ लोगों को जागरूक भी करेंगी।
- महेंद्र सोनी ने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस के ज़रिये अंगदान की सहमति देने वालों के लाइसेंस पर ‘हार्ट का साइन’और ‘ऑर्गन डोनर’अंकित किया जाता है। इससे मृत्यु उपरांत परिजनों की सहमति से अंगदान की प्रक्रिया आसान हो जाती है।
- प्रदेशवासी ड्राइविंग लाइसेंस के साथ-साथ अन्य माध्यमों के जरिये भी अंगदान करने की सहमति प्रदान कर अपने जीवन को अनमोल बनाएँ।
- इस अवसर पर मोहन फाउंडेशन, जयपुर सिटीजन फोरम की संयोजिका भावना जगवानी ने कहा कि एक व्यक्ति के अंगदान से कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। हर व्यक्ति को अंगदान जागरूकता के अभियान में जुड़कर मानवीय ज़िम्मेदारी निभानी चाहिये।
- उल्लेखनीय है कि परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस के ज़रिये अंगदान की सहमति देने की पहल के तहत 1 सितंबर, 2020 से लेकर 12 जनवरी, 2022 तक 2.25 लाख से अधिक स्थाई लाइसेंसधारियों द्वारा अंगदान की सहमति दी जा चुकी है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kites-written-with-the-message-angdan-mahadan-released